a2zsubjects.com a2zsubjects.com

# विषय : हिन्दी विशिष्ट Set-C

निर्देश— I. सभी प्रश्न हल कीजिए।

II. प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड—अ, ब में विभाजित है। इसमें 10 अंक निर्धारित है।

III. प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित है।

IV. प्रश्न क्रमांक 8 से 13 तक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित है।

V. प्रश्न क्रमांक 14 से 19 तक के उत्तर 75 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित है।

VI. प्रश्न क्रमांक 20 से 22 एवं 24 तक के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।

VII. प्रश्न क्रमांक 23 एवं 25 में 8 अंक निर्धारित है। प्रश्न क्रमांक 25 का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

## खण्ड—अ

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखित 'उत्साह' गद्य की विधा है—
(क) कहानी (ख) रिपोर्ताज
(ग) निबन्ध (घ) संस्मरण

(ii) महादेवी वर्मा जी को 'सेक्सरिया' पुरस्कार मिला—
(क) नीरजा काव्य संकलन पर (ख) नीहार काव्य संकलन पर
(ग) परिक्रमा काव्य संकलन पर (घ) रश्मि काव्य संकलन पर

(iii) रौद्ररस का स्थायी भाव है—
(क) शोक (ख) क्रोध
(ग) उत्साह (घ) भय

(iv) "नमक से रक्त बनता है रक्त से नमक नहीं"—उक्त कथन किसने किससे कहा?
(क) पन्ना ने बनबीर से कहा (ख) पन्ना ने कीरत से कहा
(ग) पन्ना ने चंदन से कहा (घ) पन्ना ने सामली से कहा

(v) श्रीकृष्ण से मिलने सुदामा कहाँ पहुँचे?
(क) मथुरा (ख) वृन्दावन
(ग) द्वारिका (घ) गोकुल

## खण्ड—ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) मैथिलीशरण गुप्त को ______ कवि कहा जाता है।
(ii) कम्प्यूटर की तुलना ______ से की गई है।
(iii) 'वर्षा सुन्दरी के प्रति' कविता में ______ गुण है।

a2zsubjects.com a2zsubjects.com

a2zsubjects.com a2zsubjects.com

(iv) गुरु घासीदास का वृहद् सतनाम प्रचार का आरंभ ______ ग्राम से हुआ।
(v) संत श्री कंवरराम ने संगीत व गायन शिक्षा ______ से प्राप्त किया था।

2. मजदूरों के कंधे डाल देने से क्या परिणाम हो सकता है?
3. मधुलिका ने महाराज के द्वारा दी गई स्वर्ण मुद्राओं को महाराज पर न्योछावर कर क्यों बिखेर दिया?
4. सामली ने आकर पन्ना धाय को क्या सूचना दी?
5. उत्तर कहाँ है? इस प्रश्न का जवाब तेजोमय व्यक्ति क्यों चाहता था?
6. पंडवानी का अभिन्न संगी और सहचर कौन-सा वाद्ययंत्र है और क्यों?
7. मातृभूमि को कवि ने सर्वेश की सगुण मूर्ति क्यों कहा है?
8. उत्साह निबंध में 'झुंझलाहट' को क्रोध का रक्षक क्यों कहा है?
9. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :
(i) जो बहुत बोलता हो (ii) जो काम न करना चाहे
(iii) जिसका मन उदार हो।
10. मदर टेरेसा का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए।
11. श्रीकृष्ण ने क्यों कहा, "पाछिली बानि अजौ न तजी तुम।"
12. पंथीगीत में किसकी महिमा का उल्लेख मिलता है?
13. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्य को शुद्ध करके लिखिए :
(i) हम तुम लोगों को पढ़ाएँगे। (ii) गीता सबसे श्रेष्ठतम ग्रंथ है।
(iii) चरखा कातना चाहिए।
14. महाकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार)

अथवा

आख्यानक काव्य की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार)

15. गुरु घासीदास जी के संदेश कौन-कौन से हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पंडवानी के कथा-गायन का केन्द्रीय चरित्र कौन है? स्पष्ट कीजिए।

16. 'कबीर दास' अथवा 'मैथिलीशरण गुप्त' का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए—
(i) कोई दो रचनाएँ (ii) भावपक्ष की तीन विशेषताएँ
(iii) कलापक्ष की तीन विशेषताएँ।
17. जयशंकर प्रसाद' अथवा 'डॉ० रामकुमार वर्मा' का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए—
(i) कोई दो रचनाएँ (ii) भाषा-शैली
(iii) साहित्य में स्थान।
18. "मजदूर नहीं होते तो संसार का विकास रुक जाता।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"'पुरस्कार' कहानी प्रेम और कर्तव्य के संघर्ष का अनूठा उदाहरण है।" इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए।

a2zsubjects.com a2zsubjects.com

a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com

a2zsubjects.com a2zsubjects.com

19. वक्त की पाबंदी के संबंध में गाँधी जी का क्या दृष्टिकोण था? कोई दो उदाहरण देकर समझाइए।

**अथवा**

गाँधी जी के प्रमुख सिद्धान्त कौन-कौन से थे? उल्लेख कीजिए।

20. **निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए :**

''कर्म में आनंद का अनुभव करने वालों ही का नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। उसके लिए सुख तब तक के लिए रूका नहीं रहता जब तक कि फल प्राप्त न हो जाए बल्कि उसी समय से थोड़ा-थोड़ा करके मिलने लगता है, जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है।''

**अथवा**

'मेरे निर्माण की परिधि की व्यापकता अनंत है, उदयाचल से अस्ताचल तक, क्षितिज के छोरों तक। हजारों वर्ष पहले कलयुग भी जब कभी अंतराल के गर्भ में था, मैंने नदियों के बहाव रोक दिए, बहाव जो अभी ताजा थे, प्रखर प्रकृति वेग से प्रेरित। बहाव रोककर सुविस्तृत ह्रद बनाए, जिन पर पर्जन्य विरहित भूमि की उर्वरा शक्ति अवलंबित हुई। बढ़ते हुए समुंदर का मैंने जल सुखाया, दलदलों को ठोस जमीन का जामा पहनाया और उन फसलों की हरी धानी क्यारियाँ दौड़ाई।''

21. सूर ''वात्सल्य का कोना-कोना झाँक आए हैं।'' स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

राम के बाल-रूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

22. **निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए :**

''इन स्निग्ध लटों से छा दे तन,
पुलकित अंकों में भर विशाल,
झुक सस्मित शीतल चुम्बन से,
अंकित कर इसका मृदुल भाल,
दुलरा दे ना बहला दे ना,
यह तेरा शिशु जग है उदास।
रूपसि। तेरा घन-केश-पाश।

**अथवा**

निर्मल तेरा नीर अमृत के, सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरयाली का फर्श नहीं मखमल से कम है,
शुचि सुधा सींचता राम में, तुझ पर चन्द्र प्रकाश है,
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है॥''

23. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए :**

(क) राष्ट्रीय एकता
(ख) समाचार-पत्र
(ग) हमारा प्रिय खेल-'क्रिकेट'
(घ) विद्यार्थी और अनुशासन
(ङ) मेरा ग्राम पंचायत।

24. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे कोई चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

''भय का जन्म अज्ञान से होता है। हम भयग्रस्त होते हैं, क्योंकि हम अपनी दिव्य कार्यशक्ति आशाओं और संभावनाओं के प्रति सजग नहीं रह पाते। हमारे भय का मुख्य कारण है कि हम अपने-आपको एक पृथक् इकाई मानते हैं। अपनी सत्ता को हम ऐसा समझते हैं कि सृष्टिकर्ता ने इस ब्रह्माण्ड में संग्राम और संघर्ष करने के लिए हमें अकेला फेंक दिया है। परन्तु वास्तविकता यह है कि हम उस कर्ता की विशाल योजनाओं का एक अभिन्न अंग मात्र हैं। हम उस महान सृजन-शक्ति का एक महत्वपूर्ण अंश हैं। हम रोग से भयभीत क्यों होते हैं? क्योंकि हम नहीं जानते कि स्वास्थ्य ही हमारा जीवन है, यही हमारी स्वाभाविक दशा है। स्वास्थ्य के नियमों को जानकर भी अनदेखी करते हैं। स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न ही नहीं करते हैं। स्वास्थ्य से अधिक महत्व स्वाद को देते हैं। केवल स्वास्थ्य के अभाव का ही नाम रोग है। प्रकाश के अभाव का नाम अंधकार है। अज्ञानता का ही दूसरा नाम भय है। हम तुच्छ तब बनते हैं जब हम भय को उस सर्वशक्तिमान से बड़ा मानकर उसके आगे झुकते हैं।''

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ख) रोग क्या है?
(ग) हम क्या हैं?
(घ) हम तुच्छ कब बनते हैं?
(ङ) भय का प्रधान कारण क्या है?

25. आपका नाम अभिनव कपूर है। आप शास० बहु० उच्च० माध्य० शाला, बिलासपुर में कक्षा दसवीं के छात्र हैं। अपने प्राचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

**अथवा**

सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर को दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंक सूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com a2zsubjects.com